



डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ०प्र०)

DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

शांतिमोर्चा

दिनांक: 07 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 03

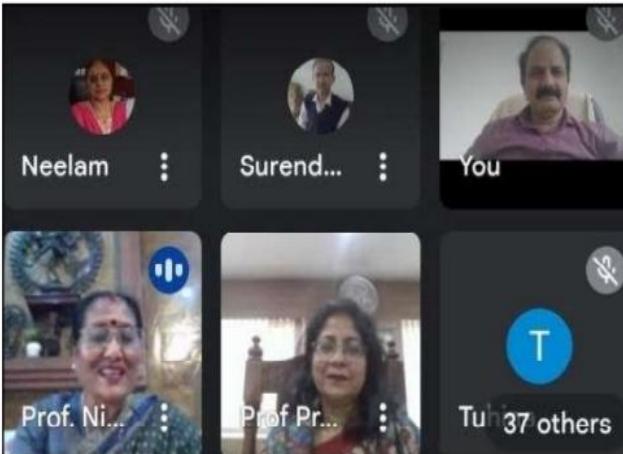
अविवि में डिजिट ऑल फॉर जैंडर इक्वलिटी विषय पर वेबिनार का आयोजन सम्पन्न

महिला सशक्तिकरण के लिए समाज में जगानी होगी चेतना : प्रो. प्रतिभा गोयल

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या, 06 मार्च। डॉ.

राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र, महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ तथा एक्विटिटी क्लब के संयुक्त तत्वाधार में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 'डिजिट ऑल फॉर जैंडर इक्वलिटी' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने सभी महिला शिकायतों को आगामी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हमारे समाज में महिलाएं प्राचीन काल से सक्षत रही हैं। बीसवीं शताब्दी के आसपास महिलाओं से उनके अधिकार छीन लिए गए। वहीं मध्य काल के दौरान समाज में बहुत सी कुरीरियां फैली जिसके कारण महिलाओं को चारदीवारी के अंदर बढ़कर उनके निर्णय लेने का अधिकार छीन लिया गया और इस दरमियान महिलाओं को अबला की श्रेणी में रख दिया



गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. गोयल ने बताया कि दुर्गा सप्तशती में सभी महिलाएं देवी महिलाओं का सम्मान होना का ही स्वरूप है। इसलिए महिलाओं का सम्मान होना से भी अधिक है। कार्यक्रम में छात्राओं की संख्या 60 प्रतिशत का है। कुलपति ने कहा कि आज कुलपति प्रो. गोयल ने बताया कि आज के समय में महिलाएं कई बहुत ही अच्छा कर रही हैं और कई बेट्रों में पुरुषों से भी आगे हैं। इनमें तमाम उपलब्धियां कई बहुत ही अच्छा कर रही हैं और होने के बावजूद दूसरे दराजे के बेट्रों में महिलाओं के साथ नेदभाव किया

जाता है। कई स्थानों पर देखा गया कि अभी भी महिलाएं कुपोषण का शिकायत करती हैं। समाज में अभी भी कई जगहों पर लड़कियों की शिकायत तथा स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। कुलपति ने बताया कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए समाज में चेतना जगाने के लिए अभी भी बहुत जरूरत है। इसकी जुरुआत सभी को अपने घर से करने के साथ महिलाओं पर लड़कियों के द्वारा सी संपन्न किए जाएं।

जा सकते हैं। समाज में इस तरह की सोच को खत्म करना होगा। उन्होंने बताया कि मोबाइल औनरशिप में पुरुषों की 79 प्रतिशत भागीदारी है। जिसमें महिलाओं की 63 प्रतिशत भागीदारी यह बताता है कि महिलाओं को अभी और जागरूक होने की जरूरत है। कार्यक्रम में छात्र अधिकारी ने कल्याण एवं अध्यक्ष एक्विटिटी क्लब प्रो. नीर्मला एस० मौर्या ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला उद्योगन दिवस 8 मार्च को मनाया जाता है। उन्होंने इस दिवस की जुरुआत केंद्र तथा महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकार्ट, प्रो. की जयशंकर प्रसाद की पंक्तियों से की जिसमें नारी की महता का स्पष्ट किया गया है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रमेहा पटेल द्वारा किया गया। बन्धवाद ज्ञापन डॉ० प्रतिभा त्रिपाठी ने किया। तकनीकी सहयोग इंजीनियर संजय चौहान, डॉ. नितेश दीक्षित, डॉ. आशीष कुमार पांडेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. सजय चौधरी, डॉ. सुरेंद्र मिश्र, डॉ. महिमा चौरसिया, डॉ. विजयेन्द्र चतुर्वेदी, डॉ. आरएन पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्राएं और अनलाइन युवा रहे।

पायनियर

दिनांक: 07 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 07

महिला सशक्तीकरण के लिए चेतना जगानी होगी : कुलपति

संवाददाता। अयोध्या

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र, महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ तथा एक्टिविटी क्लब के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में छिड़जिट ऑल फैर जैंडर इकलिटीष्ट् विषय पर बैबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल ने सभी महिला शिक्षकों, कर्मचारियों तथा छात्राओं को आगामी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हमारे समाज में महिलाएं प्राचीन काल से सशक्त रही हैं। बीसवीं शताब्दी के आसपास महिलाओं से उनके अधिकार छीन लिए गए। वहीं मध्य काल के दौरान समाज में बहुत सी कुरीतियाँ फैली जिसके कारण महिलाओं को चारदीवारी के अंदर बंदकर उनके निर्णय लेने का अधिकार छीन लिया गया और इस दरमियान महिलाओं को अबला की

● समाज, राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर
महिलाओं का बढ़घढ़ कर
योगदान: कुलपति प्रो०
निर्मला एस०

● महिलाओं को उनकी योग्यता के अनुसार मौका दिया जाए: डॉ० अर्घना

● अविवि में डिजिट ऑल फैर जैंडर इकलिटी विषय पर बैबिनार का आयोजन

श्रेणी में रख दिया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो० गोयल ने बताया कि दुर्गा सप्तशती में सभी महिलाएं देवी का ही स्वरूप है। इसलिए महिलाओं का सम्मान होना चाहिए। कुलपति ने कहा कि आज की महिलाएं बहुत अच्छी तरह से शिक्षित हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही अच्छे कर रही हैं

और कई क्षेत्रों में पुरुषों से भी आगे हैं। उन्होंने बताया कि हमारे विश्वविद्यालय का डाटा यह बताता है कि 27 वें दीक्षां समारोह में मेडल प्राप्त करने में छात्राओं की संख्या 60 प्रतिशत से भी अधिक है। कार्यक्रम में कुलपति प्रो० गोयल ने बताया कि आज के समय में महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं। इनमें तमाम उपलब्धियाँ होने के बावजूद दूर दराज क्षेत्रों में महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाता है। कुलपति ने बताया कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए समाज में चेतना जगाने के लिए अभी भी बहुत जरूरत है। इसकी शुरुआत सभी को अपने घर से करने के साथ महिलाओं को जाग्रत करने की जरूरत है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्या ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया जाता है। उन्होंने इस दिवस की शुरुआत जयशंकर प्रसाद की पर्कियों से की जिसमें नारी की महत्ता को स्पष्ट किया गया है। कुलपति ने कहा कि आज हम सभी डिजिटली सशक्त जिसका साक्षात् प्रमाण आज का बैबीनार है। इस डिजिटल दुनिया में महिलाओं की भागीदारी 43 प्रतिशत है। यह एक तरह से महिलाओं के लिए रोशनी की उम्मीद है। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ० अर्चना शुक्ला, विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग एवं समन्वयक महिला अध्ययन केंद्र, लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा कि जैंडर इकलिटी का मतलब यह नहीं है कि महिला पुरुष बराबर है बल्कि महिलाओं को उनकी योग्यता के अनुसार मौका दिया जाए। उन्होंने बताया कि हमारे समाज में ऐसा माना जाता है कि बहुत से ऐसे कार्य हैं जो केवल पुरुषों के द्वारा ही संपन्न किए जा सकते हैं। समाज में इस तरह की सोच को खत्म करना होगा। उन्होंने कहा कि पुरुष ज्यादातर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हैं। महिलाएं टेक्नोलॉजी कम इस्तेमाल करती हैं। इन्हे भी सक्षम तथा स्वावलंबी बनाने के लिए टेक्नोलॉजी साउंड होने की जरूरत है।

अमर उजाला माईसिटी

दिनांक: 07 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 03

प्राचीन काल से सशक्त रहीं महिलाएँ : कुलपति

संवाद न्यूज एजेंसी

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र, महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ व एकिटविटी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में डिजिट ऑल फॉर जेंडर इक्वेलिटी विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने कहा कि हमारे समाज में महिलाएँ प्राचीन काल से सशक्त रही हैं। 20वीं शताब्दी के आसपास महिलाओं से उनके अधिकार छीन लिए गए। वहीं, मध्य काल के दौरान समाज में बहुत सी कुरीतियां फैलीं, जिसके कारण महिलाओं को चारदीवारी के अंदर बंदकर उनके निर्णय लेने का अधिकार छीन लिया गया। दुर्गा सप्तशती में सभी महिलाएँ देवी का ही स्वरूप हैं। इसलिए महिलाओं का सम्मान होना चाहिए। आज की महिलाएँ कई क्षेत्रों में

अवधि विवि में डिजिट ऑल फॉर जेंडर इक्वेलिटी विषय पर हुआ वेबिनार

पुरुषों से भी आगे हैं मुख्य अतिथि वीर बहादुर सिंह पूर्वाचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्या ने कहा कि इस डिजिटल दुनिया में महिलाओं की भागीदारी 43 प्रतिशत है। यह एक तरह से महिलाओं के लिए रोशनी की उम्मीद है। कहा कि महिलाओं के लिए तो हर दिन महिला दिवस है।

मुख्य वक्ता विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग एवं समन्वयक महिला अध्ययन केंद्र लखनऊ विश्वविद्यालय डॉ. अर्चना शुक्ला ने कहा कि जेंडर इक्वेलिटी का मतलब यह नहीं है कि महिला पुरुष बराबर हैं, बल्कि महिलाओं को उनकी योग्यता के अनुसार मौका दिया जाए। कार्यक्रम में छात्र अधिष्ठाता कल्याण एवं अध्यक्ष एकिटविटी क्लब प्रो. नीलम पाठक, प्रो. तुहिना वर्मा, डॉ. स्नेहा पटेल, डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी, इंजीनियर संजय चौहान, डॉ. नितेश दीक्षित आदि मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान

दिनांक: 07 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 05

महिला सशक्तीकरण के लिए जगानी होगी चेतना

अयोध्या, संवाददाता। डॉ. राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र, महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ व एक्टिविटी क्लब के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में डिजिट ऑल फॉर जेंडर इक्वलिटी विषय पर सोमवार को वेबिनार का आयोजन किया गया।

अध्यक्षता कर रहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने कहा कि हमारे समाज में महिलाएं प्राचीन काल से सशक्त रही हैं। बीसवीं शताब्दी के आसपास महिलाओं से उनके अधिकार छीन लिए गए। वहीं मध्य

काल के दौरान समाज में बहुत सी कुरीतियां फैली जिसके कारण महिलाओं को चारदीवारी के अंदर बंद कर उनसे निर्णय लेने का अधिकार छीन लिया गया।

मुख्य वक्ता मनोविज्ञान विभाग एवं समन्वयक महिला अध्ययन केंद्र की विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला ने कहा कि जेंडर इक्वलिटी का मतलब यह नहीं है कि महिला पुरुष के बराबर है बल्कि महिलाओं को उनकी योग्यता के अनुसार मौका दिया जाए। इसके पहले छात्र अधिष्ठाता कल्याण एवं अध्यक्ष एक्टिविटी क्लब प्रो. नीलम पाठक ने स्वागत उद्घोषण दिया। महिला

अध्ययन केंद्र तथा महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ की समन्वयक प्रो. तुहिना वर्मा ने रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन डॉ. स्नेहा पटेल द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी ने किया। तकनीकी सहयोग इंजीनियर संजय चौहान, डॉ. नितेश दीक्षित, डॉ. आशीष कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।

इस अवसर पर डॉ. संजय चौधरी, डॉ. सुरेंद्र मिश्र, डॉ. महिमा चौरसिया, डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ. निहारिका सिंह, गायत्री वर्मा, डॉ. मनीषा यादव, ई. निधि प्रसाद, डॉ. आरएन पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में शिक्षिकाएं व छात्राएं ऑनलाइन जुड़े रहे।

विधान केसरी

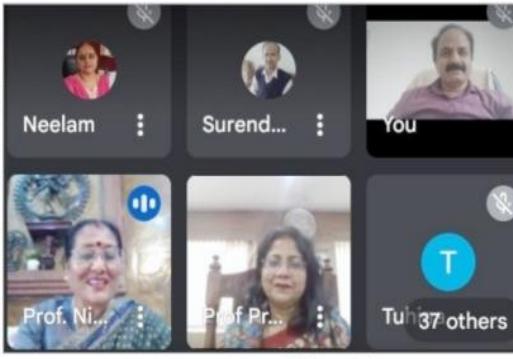
दिनांक: 07 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 13

महिला सशक्तिकरण के लिए समाज में जगानी होगी चेतना : प्रो. प्रतिभा गोयल

अयोध्या (विधान केसरी)। डॉ. रामनाथ लोहिता अवध विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र, महिला शिक्षायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ तथा पर्सिपिटी व्हाइब के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में हालातिहाजिर ऑल फॉर जैंडर इक्वलिटीहाज़ा विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने सभी महिला शिक्षकों, तथा छात्राओं को अग्रामी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की चालान देते हुए कहा कि हमारे समाज में महिलाएं प्राचीन काल से सक्षक रही हैं। बीसवीं शताब्दी के असमान महिलाओं से उनके अधिकार छीन लिये गए। वहीं मध्य काल के दौरान समाज में बहुत सी कुरीतियाँ फैली जिसके कारण महिलाओं को चारोंवारी के अंदर बढ़कर उनके निर्णय लेने का अधिकार छीन लिया गया और इस दरमान महिलाओं को अवलो की बेणी में रख दिया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. गोयल ने चेतना कि दुर्ऊ सप्तशती में सभी महिलाएं देवी का ही स्वरूप है। इसलिए महिलाओं का सम्मान होना चाहिए। कुलपति

ने कहा कि आज की महिलाएं बहुत अच्छी तरह से शिखित हैं। उच्च शिक्षा के लिए में बहुत ही अच्छा कर रही हैं और कई क्षेत्रों में पुरुषों से भी आगे हैं।



उन्होंने चेतना कि ह ० १ १ २ विश्वविद्यालय का डाटा यह बताता है कि 27 वें दीश्वात समारोह में मेडल

प्राप्त करने में छात्राओं की संख्या 60 प्रतिशत से भी अधिक है। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. गोयल ने चेतना कि आज के समय में महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं। इनमें तमाम उपलब्धियाँ होने के बावजूद दूर-दराज क्षेत्रों में महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाता है। इद्दृ स्थानों पर देखा गया कि अपी भी महिलाएं कुपोषण का शिकार हैं। समाज में अपी भी कई जगहों पर लड़कियों की शिक्षा तथा स्वास्थ्य को

ठीक नहीं होगा। कार्यक्रम की मुख्य अंतिथि वीर बहादुर सिंह ध० व० ३१ विश्वविद्यालय, जौनपुर की कुलपति प्रो. निर्मला एस० मौर्या ने चेतना कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस ८ मार्च को मनाया जाता है। उन्होंने इस दिवस की शुरूआत

जबरंकर प्रसाद की पंक्तियों से कि जिसमें नारी की महत्ता को स्पष्ट किया गया है। कार्यक्रम की मुख्य वर्ता डॉ. अर्चना शुक्ला, विभागाध्यक्ष योगीविजान विभाग एवं समन्वयक महिला अध्यन केंद्र, लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा कि जैंडर इक्वलिटी का मतलब यह नहीं है कि महिला पुरुष बराबर हैं बल्कि महिलाओं को उनकी योग्यता के अनुसार मौका दिया जाए। उन्होंने चेतना कि हमारे समाज में ऐसा

माना जाता है कि बहुत से ऐसे कार्य हैं जो केवल पुरुषों के द्वारा ही संपन्न किए जा सकते हैं। समाज में इस तरह की सोच को ख़ाल करना होगा। उन्होंने चेतना कि मैबाइल और इंटरनेट में पुरुषों की 79 प्रतिशत भागीदारी है। जिसमें महिलाओं की 63 प्रतिशत भागीदारी वह बताता है कि महिलाओं को अपी और जगरूक होने की ज़रूरत है। कार्यक्रम में डॉ. अंधिकारी कल्याण एवं अवध एविटिविटी क्लब प्रो. नीलम पाठक ने स्वामत उद्घोषन दिया। महिला अध्ययन केंद्र तथा महिला शिक्षात् एवं कल्याण प्रकोष्ठ, प्रो. की समन्वयक प्रो. तुहिना वर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. स्नेहा पटेल द्वारा किया गया। धन्यवाद जापन डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी ने किया। तकनीकी सहायोग इंजीनियर संजय चौहान, डॉ. नितेश दीधित, डॉ. अशोक कुमार पाठेव द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. स्नेहा चौधरी, डॉ. सुरेंद्र मिश्र, डॉ. महिमा चौधरीसाया, डॉ. निहारिका रिह, सुश्री गायत्री वर्मा, डॉ. मनीषा यादव, डॉ. निधि प्रसाद, डॉ. आरेन पाठेव सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्राएं और नाइन जुड़े रहे।

अमर भारती

दिनांक: 07 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 06

महिला सशक्तिकरण के लिए समाज में चेतना जगानी होगी: कुलपति

अमर भारती ब्यूरो

अयोध्या। ३० राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र, महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ तथा एकिटिविटी क्लब के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में “डिजिट ऑल फॉर जेंडर इक्वलिटी” विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल ने सभी महिला शिक्षकों, कर्मचारियों तथा छात्राओं को आगामी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हमारे समाज में महिलाएं प्राचीन काल से सशक्त रही हैं। बीसवीं शताब्दी के आसपास महिलाओं से उनके अधिकार छीन लिए गए। वहीं मध्य काल के दौरान समाज में बहुत सी कुरीतियां फैली जिसके कारण महिलाओं को चारदीवारी के अंदर बंदकर उनके निर्णय लेने का अधिकार छीन लिया गया और इस दरमियान महिलाओं को अबला की श्रेणी में रख दिया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो० गोयल ने बताया कि दुर्गा सप्तशती में सभी

महिलाएं देवी का ही स्वरूप है। इसलिए महिलाओं का सम्मान होना चाहिए। कुलपति ने कहा कि आज की महिलाएं बहुत अच्छी तरह से शिक्षित हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही अच्छा कर रही हैं और कई क्षेत्रों में पुरुषों से भी आगे हैं। उन्होंने बताया कि हमारे विश्वविद्यालय का डाटा यह बताता है कि 27 वें दीक्षांत समारोह में मेडल प्राप्त करने में छात्राओं की संख्या 60 प्रतिशत से भी अधिक है। कार्यक्रम में कुलपति प्रो० गोयल ने बताया कि आज के समय में महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं।

इनमें तमाम उपलब्धियां होने के बावजूद दूर-दराज क्षेत्रों में महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाता है। कई स्थानों पर देखा गया कि अभी भी महिलाएं कुपोषण का शिकार हैं। समाज में अभी भी कई जगहों पर लड़कियों की शिक्षा तथा स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। कुलपति ने बताया कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए समाज में चेतना जगाने के लिए अभी भी बहुत जरूरत है। इसकी शुरुआत सभी को अपने घर से करने के साथ

महिलाओं को जाग्रत करने की जरूरत है। कुलपति प्रो० गोयल ने बताया कि आज लोगों को यह बताने की जरूरत है कि आज की बालिकाएं कल की माताएं हैं। यदि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा तो किसी का भी स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा। महिलाएं सम्मान की अधिकारी हैं। गुरु नानक देव ने भी कहा था महिलाओं के प्रति भेदभाव बिल्कुल भी उचित नहीं है क्योंकि महिलाएं ही हैं जो राजाओं को भी जन्म देती हैं। कार्यक्रम में कुलपति प्रो० गोयल ने सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जा रही कई योजनाओं से जागरूक किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्या ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस ८ मार्च को मनाया जाता है। उन्होंने इस दिवस की शुरुआत जयशंकर प्रसाद की पर्कियों से की जिसमें नारी की महत्ता को स्पष्ट किया गया है। कुलपति ने कहा कि आज हम सभी डिजिटली सशक्त जिसका साक्षात् प्रमाण आज का वेबीनार है।

कुटुंब जागरण

दिनांक: 07 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 04

महिला सशक्तिकरण के लिए समाज में चेतना जगानी होगी: कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल

समाज, राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं का बढ़चढ़ कर योगदान: कुलपति प्रो० निर्मला एस.

कुटुंब जागरण व्यूरो,

अयोध्या। डॉ० रामननोहर लोहिया अवृ० । विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र, महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोप तथा एक्टिविटी कलब के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में “डिजिट अश्वल फैश्वर जैंडर इक्वलिटी” विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल ने सभी महिला शिक्षकों, कर्मचारियों तथा छात्राओं को आगामी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हमारे समाज में महिलाएं प्राचीन काल से सशक्त रही हैं। बीसवीं शताब्दी के आसापास महिलाओं से उनके अधिकार छीन लिए गए। वर्हा मध्य काल के दौरान समाज में बहुत सी कुरीतियां

फैली जिसके कारण महिलाओं को चार्दीवारी के अंदर बंदकर उनके निर्णय लेने का अधिकार छीन लिया गया और इस दरमियान महिलाओं को अबला की श्रेणी में रख दिया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो० गोयल ने बताया कि दूर्गा सदाशती में सभी महिलाएं देवी का ही स्वरूप है। इसलिए महिलाओं का सम्मान होना चाहिए। कुलपति ने कहा कि आज की महिलाएं बहुत अच्छी तरह से शिक्षित हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही अच्छा कर रही हैं और कई क्षेत्रों में पुरुषों से भी आगे हैं। उन्होंने बताया कि हमारे विश्वविद्यालय का डाटा यह बताता है कि 27 वें दीक्षांत समारोह में मेडल प्राप्त करने में छात्राओं की संख्या 60 प्रतिशत से भी अधिक है। कार्यक्रम में कुलपति प्रो० गोयल ने बताया कि आज के समय में महिलाएं

किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं। इसमें तमाम उपलब्धियां होने के बावजूद दूर-दराज क्षेत्रों में महिलाओं को साथ भेदभाव किया जाता है। कई स्थानों पर देखा गया कि अभी भी कौपीण का शिक्का है। समाज में अभी भी कई जगहों पर लड़कियों की शिक्षा तथा स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। कुलपति ने बताया कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अभी भी बहुत जरूरत है। इसकी सुरुआत सभी को अपने घर से कारने के साथ महिलाओं को जाग्रत करने की जरूरत है। कुलपति प्रो० गोयल ने बताया कि आज लोगों को यह बताने की जरूरत है कि आज की बलिकाएं कल की माताएं हैं। यदि उनका स्वास्थ्य तीक नहीं रहेगा तो किसी का भी स्वास्थ्य टीक नहीं होगा। महिलाएं समान की अधिकारी हैं। गुरु नानक देव ने भी कहा था महिलाओं के प्रति भेदभाव बिल्कुल भी दर्जित नहीं है क्योंकि महिलाएं ही हैं जो राजाओं को भी जन्म देती हैं। कार्यक्रम में कुलपति प्रो० गोयल ने सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जा रही कई योजनाओं से जागरूक किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वारंवहादुर सिंह पूर्वाचल विश्वविद्यालय,

जैनपुर की कुलपति प्रो० निर्मला एसद्व मीया ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया जाता है। उन्होंने इस दिवस की शुरुआत जयशंकर प्रसाद की पौक्तियों से की कुपोषण का शिक्का है। समाज में अभी भी कई जगहों पर लड़कियों की शिक्षा तथा स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। कुलपति ने कहा कि आज हम सभी डिजिटली सशक्त जिसका साक्षात प्रमाण आज का वेबीनार है। इस डिजिटल दुनिया में महिलाओं की भागीदारी 43 प्रतिशत है। यह एक तरह से महिलाओं के लिए रोशनी की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए तो हर दिन महिला दिवस है। इनका समाज, राष्ट्र या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हर जगह महिलाओं का बढ़चढ़ कर योगदान है। कुलपति प्रो० मीया ने बताया कि प्राचीन काल में भी लोपामुद्रा जैसी महिलाएं थीं जिनका दरवाचा हुआ करता था। कार्यक्रम का संचालन डा० स्नेह पटेल द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डा० प्रतिभा त्रिपाटी ने किया। तकनीकी सहयोग इंजीनियर संजय चौहान, डा० नितेश दीक्षित, डा० आशोक कुमार पांडे द्वारा किया गया। इस अवसर पर डा० संजय चौधरी, डा० सुरेंद्र मिश्र, डा० महिमा चौरसिया, डा० विजयेन्द्र चूर्णवेदी, डा० निहारिका सिंह, सुश्री गयत्री वर्मा, डा० मनीषा यादव, ई० निधि प्रसाद, आनलाइन जुड़े रहे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक गीता पाण्डे द्वारा मरकजी प्रिंटर्स मौहल्ला टकसाल फैजाबाद से मुद्रित कराकर पूरे चूर्मणि अकमा कुमारांज अकमा, फैजाबाद, अयोध्या (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित

प्रधान सम्पादक: अश्वनी पाण्डेय

सम्पर्क सूत्र: 7310005573

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फैजाबाद होगा

website:www.kutumbjagran.com

email:kutumbjagran@gmail.com

जनमोर्चा

दिनांक: 07 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 05

डिजिटल दुनिया में बढ़ रही महिलाओं की भागीदारी

महिला दिवस के परिप्रेक्ष्य में वेबिनार में बोली मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. निर्मला मौर्य

» महिला सशक्तिकरण के लिए समाज में चेतना जगानी होगी: कुलपति प्रो. गोयल

अध्योया।

डॉ. रामनाहर लोहिया अवधारणा विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र, महिला शिक्षायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ तथा एविटिटी वेब के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में “डिजिट ऑल फॉर जेंडर इक्वलिटी” विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने सभी महिला शिक्षकों, कर्मचारियों तथा छात्राओं को आगामी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हमारे समाज में महिलाएं प्राचीन

काल से सशक्त रही हैं।

बीसवीं शताब्दी के आसपास महिलाओं से उनके अधिकार छीन लिए गए। वहीं मध्य काल के दौरान समाज में बहुत सी कृतियां फैली जिसके कारण महिलाओं को चारदीवारी के अंदर बंदकर उनके निर्णय लेने का अधिकार छीन लिया गया और इस दरमियान महिलाओं को अबला की श्रेणी में पुरुषों से कम नहीं है। इनमें तमाम उपलब्धियां होने के बावजूद दूर-दराज क्षेत्रों में महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाता है। कई स्थानों पर देखा गया कि अभी भी महिलाएं कुपोषण का शिकार है।

कुलपति प्रो. गोयल ने बताया कि दुर्गा सप्तशती में सभी महिलाएं देवी का ही प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। कुलपति ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए समाज में चेतना तरह से शिक्षित है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही अच्छा कर रही है और कई क्षेत्रों में पुरुषों से भी आगे हैं। उन्होंने बताया कि हमारे विश्वविद्यालय का डाटा यह बताता है कि 27वें दीक्षांत

समारोह में मेडल प्राप्त करने में छात्राओं की संख्या 60 प्रतिशत से भी अधिक है। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. गोयल ने बताया कि आज के समय में महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं। इनमें तमाम उपलब्धियां होने के बावजूद दूर-दराज क्षेत्रों में महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाता है। कई स्थानों पर देखा गया कि अभी भी महिलाएं कुपोषण का शिकार है।

यह बताने की जरूरत है कि आज की बालिकाएं कल की मात्राएं हैं। यदि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा तो किसी का भी स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा। महिलाएं समान की अधिकारी हैं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जैनपुर की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया जाता है। उन्होंने इस दिवस की शुरूआत जपरिंकर प्रसाद की पांक्तियों से की जिसमें नारी की महत्ता को समृद्ध किया गया है। कुलपति ने कहा कि आज हम सभी डिजिटली डॉ. अर्चना शुक्ला, विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग एवं समन्वयक महिला अध्ययन केंद्र, लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा कि जेंडर इक्वलिटी का मतलब यह नहीं है कि महिला पुरुष बराबर है बल्कि महिलाओं को उनकी योग्यता के अनुसार मौका दिया जाए।

अवध गाथा

दिनांक: 07 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 03

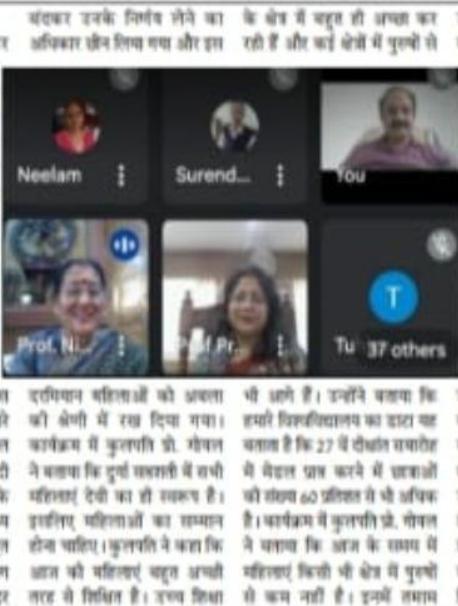
महिला सशक्तिकरण के लिए समाज में जगानी होगी चेतना : प्रो. प्रतिभा गोयल

○

अविवि में डिजिट ऑल फॉर जैंडर इक्वलिटी विषय पर बेबिनार का आयोजन

प्रबन्ध नामक संस्थानक्रम

आयोज्या। डॉ. रामभगवानर लैंडमार्क अवध विश्वविद्यालय के महिला अध्यापक नेंद्र, महिला विकास एवं काम्याचल प्रबोह तथा एक्सिक्युटिव कलब के एम्यूल काम्याचल में और एम्यूल महिला विषय के उच्चालय में विविध अधिकारी विविध विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की काम्याचल करते हुए विश्वविद्यालय की कुलकी डॉ. प्रतिभा गोयल ने सभी महिला विद्यार्थी, काम्याचली तथा शाकाहारी की आपाने औरतानुरूप महिला विषय की बचाई देते हुए कहा कि हमारे समाज में महिलाएँ प्रत्येक कला से संसाकृत ही हैं। बीमारी सामाजी के आवश्यक महिलाओं से उनके अधिकार छीन लिए गए। यही सभ्य कला के दीयन समाज में बहुत ही कुरुक्षेत्र फैली रिकॉर्ड काम्य महिलाओं को बाहरीदारी के अंदर



बहुकर उनके निर्वाच लेने का के क्षेत्र में बहुत ही अवकाश नहीं है और कई लोगों में पुरुषों से उपलब्धियां होने के बाबजूद दूर-दराज लोगों में वर्हिलार्ड के साथ बेंचमार्क किया जाता है। कई लोगों पर देख तब कि अपनी भी महिला/कुलपति का लिकार है। समाज में अपनी जैव कल्पी वर्ग लाभिकारी को रिक्षावाला विषय की प्राथमिकता नहीं ही जैव तथा सामाजिक की प्राथमिकता नहीं ही जैव ही है। कुलपति ने बताया कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए समाज में पेंडल जानने के लिए अपनी भी बहुत ज़रूरत है। इसपर सुनकर वहको अपने घर से करने के साथ महिलाओं को जानत रखने की ज़रूरत है। कुलपति भी, गोपन ने बताया कि आज सीधे को यह बहुत है कि 27 वें लीखांत साथार्थी ने बताया कि दुर्दी साथार्थी में सभी में देवल पात्र करने में लाकालों महिलाओं देखी का ही सम्बन्ध है। वही दुर्दी साथार्थी को यह बहुत है कि आज की विकासी वर्ग की जात की साथार्थी है। वही उनका साथार्थी लौक नहीं होता तो किसी का भी साथार्थी का भी साथार्थी होने की जाता है। वही दुर्दी के द्वारा ही संबन्ध किए जा सकते हैं। समाज में इस तरह यही सोच की खात्र करना होता है। उन्होंने बताया कि भीवाहाल और बहादूर रिंग घूर्विल वर्गीय महिलाओं की 79 प्रतिशत जीवनशैली में पुरुषों की

कुलकी है, जिसका एयू. वी.ओ. ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला विषय 8 घर की महिलाओं की अपनी और जापान की लोगों की बताया है। कार्यक्रम में लात अधिकार काम्याचल एवं अधिक एक्सिक्युटिव काम्याचल लोगों ने अपने घर के साथ इक्वलिटी विषय पर बोला गया है। कार्यक्रम की पुरुष वर्ग का डॉ. अर्जुन गुरुकरा, विष्वविद्यालय वर्गीय विषयालय सभा सभ्यकार महिला अध्यक्ष नेंद्र, लैंडमार्क विश्वविद्यालय ने कहा कि जैंडर इक्वलिटी का मालाबद्ध यह नहीं है कि महिला पुरुष वर्ग का है। वर्गीय महिलाओं को उनकी अपने घर से करने के साथ महिलाओं को जानत रखने की ज़रूरत है। कुलपति भी, गोपन ने बताया कि आज सीधे को यह बहुत है कि 27 वें लीखांत साथार्थी ने बताया कि आज की विकासी वर्ग की जात की साथार्थी है। वही उनका साथार्थी लौक नहीं होता तो किसी का भी साथार्थी का भी साथार्थी होने की जाता है। वही दुर्दी के द्वारा ही संबन्ध किए जा सकते हैं। समाज में इस तरह यही सोच की खात्र करना होता है। उन्होंने बताया कि भीवाहाल और बहादूर रिंग घूर्विल वर्गीय महिलाओं की 79 प्रतिशत जीवनशैली जीवनशैली है। जिसमें महिलाओं की

63 प्रतिशत भावीदारी यह बताया है कि महिलाओं की अपनी और जापान की लोगों की जाकरत है। कार्यक्रम में लात अधिकार काम्याचल एवं अधिक एक्सिक्युटिव काम्याचल लोगों ने अपने घर के साथ इक्वलिटी विषय पर बोला गया है। कार्यक्रम की पुरुष वर्ग का डॉ. अर्जुन गुरुकरा, विष्वविद्यालय वर्गीय विषयालय सभा सभ्यकार महिला अध्यक्ष नेंद्र, लैंडमार्क विश्वविद्यालय ने कहा कि जैंडर इक्वलिटी का मालाबद्ध यह नहीं है कि महिला पुरुष वर्ग का है। वर्गीय महिलाओं को उनकी अपने घर से करने के साथ महिलाओं को जानत रखने की ज़रूरत है। कुलपति भी, गोपन ने बताया कि आज सीधे को यह बहुत है कि 27 वें लीखांत साथार्थी ने बताया कि आज की विकासी वर्ग की जात की साथार्थी है। वही उनका साथार्थी लौक नहीं होता तो किसी का भी साथार्थी का भी साथार्थी होने की जाता है। वही दुर्दी के द्वारा ही संबन्ध किए जा सकते हैं। समाज में इस तरह यही सोच की खात्र करना होता है। उन्होंने बताया कि भीवाहाल और बहादूर रिंग घूर्विल वर्गीय महिलाओं की 79 प्रतिशत जीवनशैली जीवनशैली है। जिसमें महिलाओं की

तरुणमित्र

दिनांक: 07 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 05

महिला सशक्तिकरण के लिए समाज में चेतना जगानी होगी : प्रो० प्रतिभा गोयल



एवं विद्युति तुरुणम् नैव पीडितानां को
पीडितानां रुक्षं इति । एत एत एत
पीडितानां के लिए उपायों को सुनें ।
उन्हें बहु कठि पीडितानां के लिए एत एत
पीडितानां का विद्युति इति । एत एत
पीडितानां यथा एत एत एत
पीडितानां का विद्युति का विद्युति ।

सुकृती एवं अनुकृती वा जनकि वा विद्युति
पीडितानां यथा एत एत एत
पीडितानां के लिए उपायों के
विद्युति दद्याम् इति काता । यथापात्र
ये एत एत, पीडितानां को एत एत,
पीडितानां ही हैं, कृपापूर्वका विद्युति

राष्ट्रीय स्वरूप

दिनांक: 07 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 04

महिला सशक्तिकरण के लिए समाज में जगानी होगी चेतना : प्रतिभा गोयल

अयोध्या (स्वरूप संवाददाता)। डॉ राममोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र, महिला शिक्षायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ तथा एकिटवीटी क्लब के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलब्धि में “डिजिट ऑल फॉर जेंडर इकलिटी” विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने सभी महिला शिक्षकों, कर्मचारियों तथा छात्राओं को आगामी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हमारे समाज में महिलाएं प्राचीन काल से सशक्त रही हैं। बीसवीं शताब्दी के आसपास महिलाओं से उनके अधिकार छीन लिए गए। वहीं मध्य काल के दौरान समाज में बहुत सी कुरीतियाँ फैली जिसके कारण महिलाओं को चारदीवारी के अंदर बंदकर उनके निर्णय लेने का अधिकार छीन लिया गया और इस दरमियान महिलाओं को अबला की श्रेणी में रख दिया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. गोयल ने बताया कि दुर्गा सप्तशती में सभी महिलाएं देवी का ही स्वरूप है। इसलिए महिलाओं का सम्मान होना चाहिए। कुलपति ने कहा कि आज की महिलाएं बहुत अच्छी तरह से शिक्षित हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही अच्छा कर रही हैं



और कई क्षेत्रों में पुरुषों से भी आगे हैं। उन्होंने बताया कि हमारे विश्वविद्यालय का डाटा यह बताता है कि 27 वें दीक्षांत समारोह में मेडल प्राप्त करने में छात्राओं की संख्या 60 प्रतिशत है। इसकी शुरुआत सभी को अपने घर से करने के साथ महिलाओं को जाग्रत करने की जरूरत है। कुलपति प्रो. गोयल ने बताया कि आज लोगों को यह बताने की जरूरत है कि आज की बालिकाएं कल की मात्राएँ हैं। यदि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा तो किसी का भी स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा। कार्यक्रम की मुख्य अंतिथि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जैनपुर की कुलपति प्रो. निर्मल एस० मीर्या ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया जाता है। उन्होंने इस दिवस की शुरुआत जयशंकर प्रसाद की परिक्रमों से की जिसमें नारी की महता को स्पष्ट किया गया है। कार्यक्रम की मुख्य बक्ता डॉ अर्चना शुक्ला, विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग एवं समन्वयक महिला अध्यन केंद्र, लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा कि जेंडर इकलिटी का मतलब यह नहीं है कि महिला पुरुष बराबर हैं बल्कि महिलाओं को उनकी योग्यता के अनुसार मौका दिया जाए।

भारत कनेक्ट

दिनांक: 07 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 11

महिला सशक्तिकरण के लिए समाज में जगानी होगी चेतना : प्रो. प्रतिभा गोयल

भारत कनेक्ट संवाददाता

अवोच्या। डॉ. राममोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन बैंड, महिला शिकायत एवं कल्याण प्रक्षेपण तथा एवंटिविटी कलब के संस्कृत तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उल्लङ्घन में हालांडिजिट ऑल फॉर जैंडर इव्हेलिटीहाई विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने सभी महिला शिक्षकों, कर्मचारियों तथा छात्राओं को आगामी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हमारे समाज में महिलाएँ प्राचीन काल से सशक्त रही हैं। वीसवीं शताब्दी के आसपास महिलाओं से उनके अधिकार छीन लिए गए। वहीं मध्य काल के दौरान समाज में बहुत सी कुरीतियां पैदी जिसके कारण महिलाओं को

आविष्य में डिजिट ऑल फॉर जैंडर इव्हेलिटी विषय पर वेबीनार का आयोजन



27 वें दीक्षांत समारोह में मेडल प्राप्त करने में छात्राओं की संख्या 60 प्रतिशत से भी अधिक है। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. गोयल ने बताया कि आज के समय में महिलाएँ रहेगा तो किसी का भी स्वास्थ्य टीक नहीं होगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वैर बहादुर सिंह पूर्ववैकल विश्वविद्यालय, जैनपुर की कुलपति प्रो. निर्मला एस० भौमा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया जाता है। उन्होंने इस दिवस की शुरूआत जयशंकर प्रसाद की पक्षियों से की जिसमें नवी की महात्मा को सट्ट किया गया है। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. अर्चना शुक्ला, विभागाध्यक्ष मोविज़ान विभाग एवं समन्वयक महिला अव्यय बैंड, लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा कि जैंडर इव्हेलिटी का मतलब यह नहीं है कि महिला पुरुष बराबर है बल्कि महिलाओं को उनकी योग्यता के अनुसार मौका दिया जाए। उन्होंने बताया कि हमारे विश्वविद्यालय का डाटा यह बताता है कि

जरूरत है कि आज की बातिकार्प कल की मात्राएँ हैं। यदि उनका स्वास्थ्य टीक नहीं रहेगा तो किसी का भी स्वास्थ्य टीक नहीं होगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वैर बहादुर सिंह पूर्ववैकल विश्वविद्यालय, जैनपुर की कुलपति प्रो. निर्मला एस० भौमा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया जाता है। उन्होंने इस दिवस की शुरूआत जयशंकर प्रसाद की पक्षियों से की जिसमें नवी की महात्मा को सट्ट किया गया है। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. अर्चना शुक्ला, विभागाध्यक्ष मोविज़ान विभाग एवं समन्वयक महिला अव्यय बैंड, लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा कि जैंडर इव्हेलिटी का मतलब यह नहीं है कि महिला पुरुष बराबर है बल्कि महिलाओं को उनकी योग्यता के अनुसार मौका दिया जाए। उन्होंने बताया कि हमारे समाज में ऐसा माना जाता

है कि बहुत से ऐसे कार्य हैं जो केवल पुरुषों के हाथों ही संभव हैं। समाज में इस तरह की सोच को खत्म करना होगा। उन्होंने बताया कि मोबाइल ऑफिशियल में पुरुषों की 79 प्रतिशत भागीदारी है। जिसमें महिलाओं की 63 प्रतिशत भागीदारी यह बताता है कि महिलाओं को अभी और जागरूक होने की जरूरत है। कार्यक्रम में छात्र अधिकारी विश्वविद्यालय के समय एवं अध्ययन बैंड ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया जाता है। उन्होंने इस दिवस की शुरूआत जयशंकर प्रसाद की पक्षियों से की जिसमें नवी की महात्मा को सट्ट किया गया है। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. अर्चना शुक्ला, विभागाध्यक्ष मोविज़ान विभाग एवं समन्वयक महिला अव्यय बैंड, लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा कि जैंडर इव्हेलिटी का मतलब यह नहीं है कि महिला पुरुष बराबर है बल्कि महिलाओं को उनकी योग्यता के अनुसार मौका दिया जाए। उन्होंने बताया कि हमारे समाज में ऐसा माना जाता